>

Title: Regarding request for re-considering the decision to refer the matter relating to 32 members to the Committee of Privileges.

PROF. RAM GOPAL YADAV (SAMBHAL): Sir, I am on a point of order.

MR. SPEAKER: Yes, yes, there is no business now.

प्रो. राम गोपाल यादव : स्पीकर साहब के चैम्बर में जब बैठक होती है और उसमें कोई बात होती है तो वह डिस्कलोज़ नहीं होती है। वहां क्या डिसीजन होता है, यह बात तब तक सामने नहीं आती है, जब तक वह हाउस में न आ जाए। मुझे इस बात का आश्चर्य है कि जब हम लोग बैठक कर रहे थे तो एक न्यूज़ चैनल पर यह आ रहा है कि स्पीकर ने जो फैसला दिया था, वह विड्रा कर लिया गया है। यह बहुत ही आश्चर्य की बात है और चैनल का यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना रवैया है, इसलिए मैं चाहता हूं आप इस पर कोई फैसला दें।

MR. SPEAKER: I will look into it.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, हम लोग भी अपनी बात कहना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप इन्डोर्स कर दीजिए।

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I would like to mention the following. The leaders of the political parties in Lok Sabha met in the Chamber of the hon. Speaker this morning and assured him of full co-operation in the smooth running of the House. In view of the same, the leaders requested the hon. Speaker that he may please re-consider the decision to refer the matter relating to 32 Members to the Privileges Committee.

Sir, accordingly, I request you to please re-consider the matter and let the impasse be over.

SHRI L.K. ADVANI (GANDHINAGAR): Sir, I join the Leader of the Opposition...(*Interruptions*) Sorry, Leader of the House in making the same request to you to re-consider it.

MR. SPEAKER: He is anticipating!

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All have endorsed it.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में जब चेम्बर में बात हो रही थी तो पूरे देश को इसकी जानकारी नहीं मिली है, इसलिए हमने आपसे निवेदन भी किया था कि चैम्बर में जो कुछ भी हुआ, उस पर सदन में सभी दल के माननीय नेताओं को भी अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप इन्डोर्स कर दीजिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : चूंकि चैम्बर में जिन नेताओं ने *.. इस बात के लिए कि हाउस का संचालन ठीक से हो।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, नहीं, मैं इस बारे में नहीं बोलूंगा। I am not accepting it.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सदन के स्मूथली संचालन के लिए इन लोगों ने जो *.. उस बात का जिक्र नहीं कर रहे हैं। राम गोपाल जी ने ठीक कहा कि चैम्बर में जो बात हुई, वह बाहर मीडिया में कैसे आ गई?...(व्यवधान)

MR.SPEAKER: Nothing more. Nothing more.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : *.. इन लोगों को देश के सामने चेयर का आदर करते हुए, वह बात स्पष्ट करनी चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am making my observation. Shri Devendra Prasad Yadav, please take your seat. यह ठीक नहीं है। यह रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : चेयर सुप्रीम है और देश के सामने वह बात आनी चाहिए। यह किसी का व्यक्तिगत मामला नहीं है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I earnestly request you to please sit down.

...(*Interruptions*)

* Not recorded